निर्माण कार्यों की आड़ में पर्यावरण और शासकीय संपत्ति को नुकसान?

सांदीपानी स्कूल तामिया में नियमों की अनदेखी के आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ तामिया

तामिया स्थित सांदीपानी स्कूल परिसर में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आरोप है कि कार्यकारी एजेंसी, स्कूल प्रबंधन तथा संबंधित विभागों की मिलीभगत से निर्माण कार्यों के नाम पर पर्यावरण और शासकीय संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि परिसर में जिस प्रकार से वर्षों पुराने फलदार और वनोपज देने वाले पेड़ों को हटाया गया तथा शासकीय संपत्तियों को ध्वस्त किया गया, वह पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करता है।जानकारी के अनुसार स्कूल परिसर में विभिन्न भवनों के निर्माण के लिए भूमि संबंधी दस्तावेज एवं खसरा नक्शा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया के दौरान पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी की गई।

आरोप है कि निर्माण कार्यों की अनुमति मिलने के बाद परिसर में बड़ी संख्या में फलदार वृक्षों की कटाई की गई। स्थानीय नागरिकों का दावा है कि निर्माण की वास्तविक आवश्यकता से अधिक पेड़ों को हटाया गया, जिससे परिसर की हरियाली को गंभीर क्षति पहुंची है।

खेल मैदान से काटे गए नीलगिरी के पेड़

विवाद का एक प्रमुख बिंदु खेल परिसर का मैदान है। आरोप है कि पंचायत से प्राप्त अनुमति का हवाला देते हुए स्कूल प्रबंधन द्वारा खेल मैदान में लगे लगभग 40 नीलगिरी के पेड़ों को कटवा दिया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन पेड़ों को हटाने की कोई विशेष आवश्यकता नहीं थी और इन्हें संरक्षित रखते हुए भी निर्माण एवं खेल गतिविधियों का संचालन संभव था। पेड़ों की कटाई के बाद परिसर का पर्यावरणीय संतुलन प्रभावित हुआ है।

हर्रा और महुआ के पेड़ों को केमिकल से सुखाने के आरोप

बैडमिंटन हॉल के सामने स्थित हर्रा एवं महुआ के पेड़ों को लेकर भी गंभीर आरोप सामने आए हैं। बताया जाता है कि ये दोनों वृक्ष वनोपज प्रदान करने वाले महत्वपूर्ण पेड़ थे, जिन्हें काटने की वैधानिक अनुमति मिलना आसान नहीं था। आरोप है कि अनुमति नहीं मिलने की स्थिति में इन पेड़ों को केमिकल डालकर धीरे-धीरे सुखा दिया गया। वर्तमान में भी इन सूखे पेड़ों के अवशेष परिसर में खड़े दिखाई देते हैं। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यह पर्यावरण संरक्षण नियमों का गंभीर उल्लंघन माना जाएगा।

छात्रावास निर्माण में हटाई गई पानी की टंकी

इसी परिसर में वर्तमान में गर्ल्स हॉस्टल एवं छात्रावास भवनों का निर्माण कार्य चल रहा है। आरोप है कि निर्माण स्थल पर पीएचई विभाग द्वारा वर्षों पहले निर्मित एक पेयजल टंकी और उसके समीप स्थित प्रकृति प्रदत्त ऊमर का विशाल वृक्ष निर्माण में बाधा माना गया। इसके बाद संबंधित अधिकारियों द्वारा पेड़ काटने की अनुमति प्राप्त करने का प्रयास किया गया, लेकिन पंचायत ने इसकी अनुमति नहीं दी।स्थानीय सूत्रों के अनुसार अनुमति नहीं मिलने के बावजूद कार्यकारी एजेंसी, पुलिस हाउसिंग बोर्ड, स्कूल प्रबंधन तथा संबंधित विभागों की कथित सहमति से पेयजल टंकी को ध्वस्त कर दिया गया। साथ ही टंकी के समीप स्थित हरे-भरे ऊमर के पेड़ को भी मशीनों की सहायता से उखाड़ फेंका गया। इस कार्रवाई को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी जा रही है।

लाखों की शासकीय संपत्ति का हुआ नुकसान

आरोप यह भी है कि ध्वस्त की गई पेयजल टंकी शासकीय संपत्ति थी, जिसकी लागत लाखों रुपये रही होगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि टंकी को नियमानुसार निष्पादित करने के बजाय उसका मलबा बेहद कम कीमत पर बेच दिया गया। इससे शासन को आर्थिक नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। मामले में यह भी सवाल उठ रहा है कि टंकी को हटाने की आवश्यकता थी तो उसके लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन क्यों नहीं किया गया।

नियमों के विपरीत हुई कार्रवाई?

जानकारों के अनुसार किसी भी शासकीय भवन, जल संरचना अथवा पेयजल टंकी को ध्वस्त करने के लिए निर्धारित नियमों और तकनीकी प्रक्रियाओं का पालन आवश्यक होता है। विशेष रूप से बड़ी संरचनाओं को डिस्मेंटल करने के दौरान संबंधित विभाग के अधिकारियों, तकनीकी विशेषज्ञों तथा आवश्यकतानुसार अधिकृत अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाती है।लेकिन आरोप है कि सांदीपानी स्कूल परिसर में पेयजल टंकी को हटाने की प्रक्रिया के दौरान ऐसे किसी नियम का पालन नहीं किया गया। यदि यह तथ्य सही हैं तो संबंधित अधिकारियों और एजेंसियों की भूमिका जांच के दायरे में आ सकती है। उल्लेखनीय है कि स्कूल परिसर में पर्यावरणीय क्षति और निर्माण कार्यों को लेकर पूर्व में भी कई बार सवाल उठते रहे हैं। परिसर में एक पुराने कुएं को दफन किए जाने तथा पेड़ों को नुकसान पहुंचाने जैसे मामलों की शिकायतें सामने आती रही हैं। इसके बावजूद अब तक किसी भी स्तर पर ठोस कार्रवाई नहीं होने से लोगों में असंतोष व्याप्त है।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते शिकायतों पर ध्यान दिया जाता तो पेयजल टंकी और ऊमर के वृक्ष को बचाया जा सकता था। उनका आरोप है कि जिम्मेदार विभागों की उदासीनता के कारण पर्यावरण और शासकीय संपत्ति दोनों को नुकसान पहुंचा है।

जांच और कार्रवाई की मांग

क्षेत्र के नागरिकों ने जिला प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि निर्माण स्थल का लेआउट तैयार करने वाले विभागीय उपयंत्री, निर्माण कार्यों की निगरानी करने वाली कंसल्टेंसी, संबंधित विभाग के अधिकारियों, स्कूल प्रबंधन तथा अन्य जिम्मेदार पक्षों की भूमिका की जांच की जानी चाहिए।लोगों का कहना है कि यदि जांच में नियमों के उल्लंघन, पर्यावरणीय क्षति अथवा शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की पुष्टि होती है तो जिम्मेदार अधिकारियों और एजेंसियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। वहीं यदि आपराधिक प्रकरण दर्ज करना संभव नहीं हो तो कम से कम कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया जाना चाहिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।फिलहाल सांदीपानी स्कूल परिसर में हुए निर्माण कार्यों और उससे जुड़े विवादों ने प्रशासनिक व्यवस्था, पर्यावरण संरक्षण तथा शासकीय संपत्तियों की सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण प्रश्न खड़े कर दिए हैं। अब सभी की निगाहें जिला प्रशासन की संभावित कार्रवाई और जांच पर टिकी हुई हैं।

जिला कोषालय छिंदवाड़ा में रविशंकर राणा ने संभाला वरिष्ठ कोषालय अधिकारी का पदभार

छिन्दवाड़ा। जिला कोषालय छिंदवाड़ा में श्री रविशंकर राणा, उपसंचालक (वित्त) द्वारा वरिष्ठ कोषालय अधिकारी का पदभार ग्रहण किया गया। इस अवसर पर जिला कोषालय के वरिष्ठतम सहायक कोषालय अधिकारी श्री उपेंद्र कुमार भारती, सहायक कोषालय अधिकारी सुश्री लीला परतेती, सहायक कोषालय अधिकारी श्री स्वप्निल पांडेय एवं वरिष्ठ लिपिक श्री यशवंत कुर्वेती सहित समस्त कोषालय परिवार ने श्री राणा का स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि वित्त विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा जारी स्थानांतरण आदेश के तहत वरिष्ठ कोषालय अधिकारी श्री गोरीश कुमार बारमाटे का स्थानांतरण मुख्य वित्त अधिकारी, पूर्व क्षेत्र विद्युत मंडल, जबलपुर में किया गया है। इसके पश्चात श्री रविशंकर राणा ने जिला कोषालय छिंदवाड़ा में वरिष्ठ कोषालय अधिकारी का पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर कोषालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनका आत्मीय स्वागत कर शुभकामनाएं प्रदान कीं।

पीजी कॉलेज के डॉ. पी.एन. सनेसर को भारत निर्वाचन आयोग ने किया सम्मानित

छिन्दवाड़ा। जिले के लिए हर्ष और गौरव का विषय है कि प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय पीजी कॉलेज छिंदवाड़ा के प्रोफेसर एवं भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के मास्टर ट्रेनर तथा कोर एक्सपर्ट डॉ.पी.एन.सनेसर को गत दिवस नई दिल्ली में भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार द्वारा सम्मानित किया गया। डॉ.सनेसर को यह सम्मान भारत निर्वाचन आयोग के इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट के स्थापना दिवस कार्यक्रम में प्रदान किया गया। उन्हें यह सम्मान कोर एक्सपर्ट के रूप में भारत में आयोजित होने वाले चुनावों के लिए अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिये प्रशिक्षण सामग्री तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिया गया। इस अवसर पर भारत निर्वाचन आयोग के निर्वाचन आयुक्त डॉ. विवेक जोशी, आईआईआईडीईएम के डायरेक्टर जनरल राकेश कुमार वर्मा, डायरेक्टर मीडिया, डायरेक्टर ट्रेनिंग तथा डीन आईआईआईडीईएम सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। डॉ.सनेसर की इस उपलब्धि पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी छिंदवाड़ा श्री हरेंद्र नारायन सहित जिले के प्रशासनिक अधिकारियों ने बधाई दी। वहीं उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश श्री राजेश यादव, पीजी कॉलेज छिंदवाड़ा के जनभागीदारी अध्यक्ष श्री भारत घई, सदस्य श्री राकेश पहाड़े, श्री तरुण सोनी, श्री अरुण गदरे, श्री कृपाशंकर सूर्यवंशी, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.लक्ष्मीचंद, महाविद्यालय स्टाफ, जिले के मास्टर ट्रेनर्स एवं परिजनों ने भी उन्हें शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की हैं।

उपसंचालक डॉ.पक्षवार ने किया कामधेनु गौशाला कपूरखेड़ा का निरीक्षण

छिन्दवाड़ा। उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ.एच.जी.एस.पक्षवार द्वारा आज जिले के विकासखंड बिछुआ स्थित कामधेनु गौशाला कपूरखेड़ा का निरीक्षण किया गया। गौशाला का संचालन अटल सर्व कल्याण गौ-समिति द्वारा किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान गौशाला में 108 गौवंश उपलब्ध पाए गए। इनमें 3 गाय गर्भी में पाई गईं, जिनके कृत्रिम गर्भाधान के लिए संबंधित पशु चिकित्सक को आवश्यक निर्देश दिए गए। निरीक्षण में सभी गौवंश स्वस्थ पाए गए। उपसंचालक डॉ.पक्षवार ने गौशाला की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। गौशाला के भूसा गोदाम में पर्याप्त भूसा उपलब्ध पाया गया तथा आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त भूसा भंडारण के लिए संचालक को निर्देश दिए गए। गौवंश के लिए स्वच्छ पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था के साथ आरओ सिस्टम भी स्थापित पाया गया। गौशाला में चॉफ कटर एवं काउ लिफ्टर जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं। वहीं निराश्रित गौवंश को गौशाला तक लाने के लिए ऑटो की व्यवस्था भी की गई है। निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि गौशाला को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में गौकाष्ट का निर्माण किया जा रहा है।

कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मिली मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

कलेक्टर कार्यालय के मिनी सभाकक्ष में गुरुवार को कलेक्टर एवं रोगी कल्याण समिति के अध्यक्ष श्री हरेंद्र नारायन की अध्यक्षता में जिला चिकित्सालय रोगी कल्याण समिति की कार्यकारिणी सभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रभारी अधिकारी स्वास्थ्य विभाग डिप्टी कलेक्टर श्री राहुल पटेल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नरेश गोन्नाडे, सिविल सर्जन डॉ. सुशील कुमार दुबे, आरएमओ डॉ. हर्षवर्धन कुडापे, नोडल अधिकारी आर.के.एस. डॉ. उदय पराडकर, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी, पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन अधिकारी, जिला जनसंपर्क अधिकारी सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण एवं अस्पताल प्रबंधन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करते हुए कई प्रस्तावों को सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया। समिति द्वारा 1 दिसंबर 2025 से 31 मार्च 2026 तक की आय-व्यय विवरणी का अनुमोदन किया गया। इसके साथ ही जिला चिकित्सालय छिन्दवाड़ा में वर्तमान में संचालित आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से मेमोग्राफी मशीन का संचालन कराने का निर्णय लिया गया। मैमोग्राफी की सेवा लिए जाने के लिए आयुष्मान एवं बीपीएल मरीजों से 800 रुपये तथा एपीएल एवं निजी मरीजों से 1500 रुपये शुल्क निर्धारित करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में जिला चिकित्सालय पर लंबित जीएसटी के भुगतान के लिए रोगी कल्याण समिति से राशि व्यय करने की स्वीकृति प्रदान की गई। यह भी निर्णय लिया गया कि शासन स्तर से बजट प्राप्त होने पर उक्त राशि का समायोजन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त पुराने अस्पताल भवन के डिस्मेंटल होने के बाद विभिन्न विभागों के स्थानांतरण कार्य में होने वाले व्यय के लिए लगभग 50 हजार रुपये तक की राशि खर्च करने को भी समिति ने मंजूरी प्रदान की।

सांसद साहू ने दिवगंतजनों को दी श्रृध्दाजंली

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

अपने व्यस्तम कार्यक्रमों के बीच में सांसद बंटी विवेक साहू लगातार लोगों के सुख दुख में भी शामिल हो रहे है। इसी के तहत बिछुआ मंडल के अन्तर्गत ग्राम बड़ोसा में प्रवास के दौरान सांसद श्री साहू ने सुधाकर परतेती के निवास में पहुंचकर उनके सुपुत्र के आकस्मिक निधन पर दुख व्यक्त करते हुए श्रृध्दांजली अर्पित की, वही बड़ोसा में ही वरिष्ठ कार्यकर्ता पेजे के निवास में पहुंचकर स्वर्गीय हरिभाऊ पेजे के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए श्रृध्दांजली अर्पित की।

इस दौरान प्रमुख रूप से किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र बब्लू पटेल,भाजपा जिला उपाध्यक्ष बंटी पटेल, भाजपा जिला मंत्री गोलू नागरे, चैरई विधानसभा प्रभारी लखन वर्मा, मंडल अध्यक्ष शैलेश चोपड़े, मदन राय, विजेन्द्र ठाकुर, नीरज सिंह ठाकुर, गोपाल कवरेती, रामसिंह पटेल, सांसद प्रतिनिधि रोहित पोफली, विश्वेन्द्र बैस सहित अन्य पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं परिवारजन उपस्थित थे।

हर्षोल्लास से मनाया जाएगा पूर्व सांसद नकुलनाथ का जन्मदिन

छिंदवाड़ा। जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ का जन्मदिन प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी जिला मुख्यालय सहित जिले की समस्त विधानसभाओं, ब्लॉक नगर व क्षेत्रीय स्तर पर समारोह पूर्वक मनाया जाएगा। सर्वप्रथम अनगढ़ हनुमान मंदिर में विशेष पूजा अर्चना कर नकुलनाथ जी के दीर्घायु व स्वास्थ्य जीवन की कामना के साथ कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। अनगढ़ हनुमान मंदिर के उपरांत छोटी बाजार स्थित बड़ी माता मंदिर व राम मंदिर में पूजन अर्चन के पश्चात भैयाजी की दरगाह पर चादर पेश की जाएगी। जिला अस्पताल में मरीजों को फल वितरण, वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के बीच केक काटा जाएगा जिसके पश्चात प्रातः 11.30 बजे राजीव भवन कांग्रेस कार्यालय में धर्मसभा का आयोजन किया जाएगा। 21 जून दिन रविवार को माननीय नकुलनाथ जी के जन्मदिवस पर मुख्य समारोह राजीव भवन कांग्रेस कार्यालय में सम्पन्न होगा। इसके अतिरिक्त जिला मुख्यालय पर अन्य क्षेत्रों में कांग्रेस के विभाग, प्रकोष्ठ, अनुषांगिक संगठनों के पदाधिकारी व सदस्यों के द्वारा आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों को सूचीबद्ध करने के साथ ही अन्य कार्यक्रमों को लेकर रूपरेखा बनाई गई साथ ही समय का निर्धारण किया गया। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा कांग्रेस भवन के साथ ही समस्त ब्लॉक, उप ब्लॉक, शहर, मंडलम स्तर पर भी केक काटने के साथ ही अन्य आयोजन किए जाएंगे। इस दौरान कांग्रेस के सभी विभाग, प्रकोष्ठ, अनुषांगिक संगठनों के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहेंगे। कांग्रेस झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष फिरोज खान ने बताया कि कांग्रेस झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के द्वारा माननीय नकुलनाथ जी का जन्मदिवस हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। आयोजित कार्यक्रम में जरूरतमंद परिवार के लोगों को उपहार स्वरूप आवश्यक सामग्री प्रदान कर माननीय नकुलनाथ जी की दीर्घायु के लिए कामना की जाएगी।

शहर महिला कांग्रेस व कांग्रेस सेवादल ने रानी लक्ष्मी बाई को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

छिन्दवाड़ाः- राजीव भवन स्थित कांग्रेस कार्यालय गुरुवार को खूब लड़ी मर्दानी वो तो झांसी वाली रानी थी के नारों से गूंज उठा। उपस्थित मातृशक्ति ने लक्ष्मी बाई के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके शौर्य, अदम्य साहस और देश सेवा को प्रणाम करते हुए उन्हें शत-शत नमन किए। आयोजन में उपस्थित शहर महिला कांग्रेस की महिला नेत्रियों ने लक्ष्मी बाई की वीरता और संघर्ष पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अंग्रेजों के छक्के छुड़ाने वाली महारानी के शौर्य की गाथा अमर है। देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाली वीरांगना, 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की अमर नायिका रानी लक्ष्मीबाई की पुण्यतिथि शहर महिला कांग्रेस एवं कांग्रेस सेवादल के द्वारा मनाई गई। कांग्रेस सेवादल द्वारा स्टेडियम ग्राउंड के सामने स्थित शहीद स्मारक पर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर सेवादल पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित कर वीरांगना के अद्वितीय साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति को नमन किया। कार्यक्रम में कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी जिला अध्यक्ष सुरेश कपाले, राकेश मरकाम, हेमंत राजपूत, राजेश धुर्वे, पप्पू पाल, संतोष, डॉ. शबाना यास्मीन खान, सन्नो कुमरे, महजबीन खान, किर्ति तिवारी, सलीका कड़ेआम सहित अन्य लोग उपस्थित हुए।

महिलाओं से किया संवाद एवं पौधारोपण

छिंदवाड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफलतम 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जिला महिला मोर्चा द्वारा आयोजित पांच दिवसीय कार्यक्रम का समापन वार्ड क्रमांक 44 स्थित राजराजेश्वरी मंदिर एवं वार्ड क्रमांक 41 स्थित शिव मंदिर परिसर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं को मोटे अनाज, फल, सलाद एवं अंकुरित अनाज के सेवन, तेल एवं ईंधन की बचत तथा पोषणयुक्त आहार को दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रश्नोत्तरी एवं संवाद के माध्यम से जागरूक किया गया। महिला मोर्चा की पदाधिकारियों ने महिलाओं को स्वस्थ जीवनशैली और संतुलित आहार के महत्व की जानकारी दी। कार्यक्रम को जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष एडवोकेट श्रीमती ललिता वर्मा, समाजसेवी श्रीमती शालिनी विवेक बंटी साहू, महिला मोर्चा की महामंत्री श्रीमती मीना दुबे एवं नगर मंडल की अध्यक्ष श्रीमती माया वंदेवार सहित अन्य मातृशक्ति ने संबोधित किया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवती मंदिर में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की

सांसद ने सौंसर के गांवों में पहुंचकर चौपाल के माध्यम से आमजनों व ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही किया निराकरण

मोदी सरकार के 12 वर्ष सेवा, विश्वास, विकास, सुशासन और जनकल्याण के रहे: सांसद

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार के 12 वर्ष सेवा, सुशासन और जनकल्याण के रहे है, मोदी सरकार की जनकल्याणकारी विभिन्न योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ पात्र हितग्राहियों को मिल रहा है। इसी का परिणाम है कि अब गांवों में कार्यक्रमों के दौरान शिकायतकर्ताओं की संख्या कम और लाभार्थी हितग्राहियों की संख्या अधिक दिखाई दे रही है। आमजन चौपालों में पहुंचकर मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलने पर मोदी सरकार का आभार व्यक्त कर रहे है। यह बात सांसद बंटी विवेक साहू ने सौंसर के ग्राम ने एलकापार, खेरीतायगांव, कबर पिपला में चौपाल और बड़ोसा, सतनूर एवं पारडसिंगा में युवाओं, महिलाओं व किसानों से संवाद के दौरान कही।

सांसद बंटी विवेक साहू ने आमजनों से चौपालों और युवाओं, महिलाओं व किसानों से संवाद के दौरान बताया कि मोदी सरकार के 12 साल विश्वास,विकास एवं जनकल्याण के स्वर्णीम वर्ष रहे है। मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ लाभार्थी हितग्राहियों को मिल रहा है। इस दौरान सांसद श्री साहू ने सौंसर के गांवों में चौपाल लगाकर चौपाल में बडी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों और आमजनों से चर्चा करते हुये उनकी समस्याओं का मौके पर ही निराकरण भी किया है। सांसद श्री साहू ने जहा कबर पिपला में स्थित दादाजीधुनी वाले मंदिर में पूजा अर्चना भी की वहीं गांवों में पौधारोपण करते हुए उसके संरक्षण का संदेश भी दिया। सांसद बंटी विवेक साहू ने चौपालों में पहुंचकर आमजनों पर फुलों की वर्ष करते हुये आमजनों का अभिनंदन और स्वागत भी किया। इस दौरान सांसद श्री साहू ने ग्राम खैरीतायगांव और सौंसर में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर और महाराणा प्रताप की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करते हुए उन्हें शत-शत नमन किया।

उल्लेखनीय है कि भाजपा के विशेष जनसंपर्क अभियान और संवाद कार्यक्रमों में सांसद बंटी विवेक साहू ने मोदी सरकार के सफलतम 12 वर्ष विकास के, विश्वास के एवं जनकल्याण को लेकर गुरूवार को सौंसर के तीन ग्रामों में जहां चौपाल लगाई वही तीन विभिन्न ग्रामों में युवाओं, महिलाओं एवं किसानों से संवाद भी किया। साथ ग्रामीणों और आमजनों से मुलाकात करते हुए उनकी समस्याएं सुनकर उसका मौके पर ही निराकरण भी किया। इस दौरान सांसद श्री साहू ने जहां मौके पर मौजूद अधिकारियों को आमजनों की समस्याओं का निराकरण के निर्देश भी दिए वहीं कुछ मामलों को वरिष्ठ अधिकारियों से मोबाईल पर बात करते हुए समस्याओं का शीघ्र अतिशीघ्र निराकरण करने के निर्देश भी दिए।

सांसद बंटी विवेक साहू ने ग्राम खैरीतायगांव में लाभार्थी सम्मेलन में शामिल होते हुए विशिष्टजनों से मुलाकात भी की और विशेष जनसंपर्क अभियान के तहत बिछुआ मंडल के ग्राम बड़ोसा स्थित राजा शंकर शाह रघुनाथ शाह सीनियर आदिवासी बालक छात्रावास में युवाओं से संवाद करते हुये युवाओं से उनके भविष्य, शिक्षा, कौशल विकास एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को लेकर सार्थक चर्चा की। सांसद श्री साहू ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में युवाओं के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा की।

आबकारी की बड़ी कार्रवाई: 1260 किलो महुआ लाहन जब्त, 25 लीटर कच्ची शराब बरामद

चौरई — दिनांक 19.06.2026 को कलेक्टर छिंदवाड़ा श्री हरेंद्र नारायण के आदेशानुसार एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्री बी.आर. वैद्य के निर्देशन में आबकारी वृत चौरई द्वारा ग्राम आमाझिरी, सिरेगांव एवं बंधीढाना में आबकारी एवं पुलिस बल के साथ संयुक्त दबिश दी गई। कार्यवाही के दौरान कुल 03 आपराधिक प्रकरण म.प्र. आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) के अंतर्गत पंजीबद्ध किए गए। दबिश के दौरान 25 बल्क लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब एवं 1260 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद किया गया।इस कार्यवाही में सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री जी.एल. मरावी, श्री राजेश सिंघल, आबकारी आरक्षक राजकुमार यदुवंशी, जितेंद्र धुर्वे, राजकुमार सैयाम, भारती मरकाम सहित थाना चौरई का पुलिस बल उपस्थित रहा।

कुकिंग कम्पटीशन में समूहों से अपील

जैसा हमें खिलाये वैसा बच्चों को भी खिलाएं

परासिया :- परासिया जनपद सभागृह में कुकिंग कम्पटीशन में विभिन्न व्यंजनों का स्वाद चखने के बाद अतिथियों ने समूहों के लोगों से अपील की , कि जैसा स्वादिस्ट भोजन हमें कराया है , वैसा ही भोजन बच्चों को भी कराएं ।

शुक्रवार को प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के अंतर्गत कुकिंग कम्पटीशन का आयोजन किया गया । यह कार्यक्रम जन शिक्षा केंद्र परासिया द्वारा आयोजित किया गया । जिसमें विकास खंड परासिया के 30 स्व सहायता समूहों ने हिस्सा लिया । समूह की रसोईयों के द्वारा अपने - अपने स्कूल किचन शेड से भोजन तैयार कर कार्यक्रम में लाया गया । हर समूह के द्वारा साप्ताहिक मेनू के अनुसार तैयार व्यंजन स्टाल पर लगाए गए । जिनका स्वाद कार्यक्रम में शामिल अतिथियों ने चखा । निर्णायक टीम ने भी स्वाद चख प्रथम , द्वितीय , तृतीय और चतुर्थ स्थान के लिए समूह का चयन किया गया । मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्ष आशा अशोक आम्रवंशी , शिक्षा सभापति और उपाध्यक्ष जमील खान , पंचायत इंस्पेक्टर दीपा पाटिल , बी आर सी श्याम गुन्हेरे द्वारा सरस्वती पूजन और फीता काटकर कार्यक्रम की शुरुआत की गई । अतिथियों ने समूहों को शुभकामनायें दी । जनपद सी ई ओ वर्षा झारिया ने बताया , कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को दिए जाने वाले माध्यन्ह भोजन की मात्रा , गुणवत्ता और पोषकता को बनाए रखने के लिए समूहों के सदस्यों को प्रेरित करना है । इस कार्यक्रम में जन शिक्षा केंद्र से जुड़े बी ए सी विनोद सोनी , हरीश राव सहित शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे ।

इन्हें मिला पुरस्कार :- कुकिंग कम्पटीशन में सबसे अच्छा और स्वादिष्ट व्यंजन बनने पर प्रथम स्थान पर आने वाले स्व सहायता समूह खेड़ापति स्व सहायता समूह ई डी सी परासिया को 5000 हजार रूपये , द्वितीय स्थान पाने वाले सरस्वती स्व सहायता समूह रावनवाड़ा , ज्योति स्व सहायता समूह थावड़ी डोमा को 3 - 3 हजार रूपये , तृतीय स्थान पाने वाले शिव शंकर स्व सहायता समूह तुमड़ी , गायत्री स्व सहायता समूह उमरेठ , मां अन्नपूर्णा स्व सहायता समूह को 2 - 2 हजार रूपये , चतुर्थ स्थान पर आने वाले इंद्रा स्व सहायता समूह थावड़ी दामोदर , साईं स्व सहायता समूह भाजीपानी और सरिता संगम स्व सहायता समूह कन्हरगांव को 1 - 1 रूपये का नकद पुरस्कार दिया गया , जो समूह के खाते में डाल दिए जाएंगे । शेष समूह को प्रशस्ति पत्र दिए गए ।

बिछुआ में जलवायु अनुकूलन कार्यशाला का हुआ आयोजन

बिछुआ – जनपद पंचायत बिछुआ के सभाकक्ष में जलवायु अनुकूलन कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि गौरव तिवारी सीईओ जनपद पंचायत बिछुआ,एपीओ धर्मेंद्र मालवीय, वरिष्ठ कृषि अधिकारी अरविंद जावरे, स्मिता पाटिल, ब्लॉक अधिकारी आत्मा परियोजना एवं जमस निदेशक महेंद्र खरे, एनआरएलएम से कैलाश मानमोड़े,महेश कुमार भारती, समग्र सुरक्षा अधिकारी, आदि उपस्थित थे। कार्यशाला में अरविंद जावरे ,महेश भारती,महेंद्र खरे ने अपने विचारGPDP,जलवायु अनुकूल ग्राम ,समग्र ग्राम विकास की अवधारणा किस प्रकार ग्राम वासी ,सामाजिक संस्थाये और ग्रामीण सरकारी विभाग मिलकर कर सकते है इस पर अपना विचार व्यक्त किया एवम वर्तमान की आवश्यकता आत्मनिर्भर गांव,आत्मनिर्भर पंचायत की और कदम बढ़ाने पर जोर दिया. जलवायु अनुकूलन ग्राम विकास को लेकर जमस द्वारा उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है, वर्तमान समय में वातावरण तेजी से परिवर्तित हो रहा है जिसका असर जनजीवन व कृषि कार्य पर पड़ रहा है। संस्था द्वारा आत्मनिर्भर गांव आत्मनिर्भर पंचायत की दिशा में किये जा रहे कार्यो पर परियोजना समन्वयक श्री वाकिफ खान द्वारा जानकारी दी गयी है तथा संस्था जलवायु परिवर्तन की दिशा में कार्य किया जा रहे हैं इस कार्यशाला में बिछुआ ब्लॉक के ग्राम पंचायत के सचिव ग्राम पंचायतों के सरपंच, SHG सदस्य ,जलवायु मित्र, किसान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे ।कार्यक्रम का मंच संचालन राधेश्याम भक्ते द्वारा,आभार प्रदर्शन शैलेंद्र परमार द्वारा किया। इस कार्यक्रम में जबर सिंह वानखेडे परियोजना समन्वयक वाकिफ खान की उपस्थिति रही

मोहर्रम पर्व के मद्देनजर निगम की बड़ी कार्रवाई: करबला चौक और बड़ा तालाब क्षेत्र से हटाया अतिक्रमण

नर्सिंगपुर रोड ओवरब्रिज के नीचे फल व फुटकर विक्रेताओं को कराया व्यवस्थित; मुनादी कराकर स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने की दी समझाइश

छिंदवाड़ा। आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए नगर पालिक निगम प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। शांति समिति की बैठक में दिए गए निर्देशों के परिपालन में, निगम आयुक्त श्री सीपी राय के आदेशानुसार आज शहर के विभिन्न संवेदनशील और प्रमुख मार्गों से अतिक्रमण हटाने की विशेष कार्रवाई की गई।

करबला चौक और बड़ा तालाब क्षेत्र का निरीक्षण

मोहर्रम पर्व के मुख्य मार्गों और आयोजन स्थलों को बाधारहित बनाने के लिए आज निगम की टीम द्वारा राज टॉकीज, करबला चौक एवं बड़ा तालाब के आसपास के क्षेत्रों का सघन निरीक्षण किया गया। इस दौरान सड़कों और वीथिकाओं को घेरकर दीवारों के सहारे लगाई गई बांस-बल्लियों व अन्य अस्थाई अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई की गई।

लाउडस्पीकर से मुनादी कराकर दी गई समझाइश

निगम प्रशासन द्वारा क्षेत्र में बाकायदा अनाउंसमेंट (मुनादी) कराकर आम नागरिकों और दुकानदारों को सूचित किया गया। उन्हें समझाइश दी गई कि मोहर्रम पर्व के मद्देनजर कानून व यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए वे पर्व से पूर्व स्वयं ही अपना-अपना अतिक्रमण हटा लें, ताकि बाद में किसी अप्रिय कार्रवाई की स्थिति निर्मित न हो।

ओवरब्रिज के नीचे यातायात कराया सुगम

इसके अतिरिक्त, नर्सिंगपुर रोड ओवरब्रिज के नीचे मुख्य सड़क पर पैर पसार रहे फल एवं अन्य फुटकर दुकानदारों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। सड़क पर बेतरतीब ढंग से दुकान लगाने वाले इन विक्रेताओं का अतिक्रमण हटाकर, उन्हें निर्धारित और व्यवस्थित स्थानों पर शिफ्ट कराया गया, जिससे मार्ग पर यातायात सुगम हो सके। निगम प्रशासन ने साफ किया है कि पर्व के दौरान शहर की स्वच्छता और यातायात व्यवस्था में बाधा डालने वालों पर आगे भी लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

पानी की भीषण समस्या को लेकर नगर कांग्रेस कमेटी दमुआ में सौंपा ज्ञापन

नगर पालिका दमुआ में पिछले कई दिनों से नगर के समस्त वार्डों में पेयजल की गंभीर समस्या बनी हुई है नियमित रूप से पानी की आपूर्ति नहीं हो पा रही है पानी की समस्या बनी हुई है 18 वार्डों में दूषित गंदा मठ मेला पानी की सप्लाई दे रहा है जिसमें लोगों के स्वास्थ्य में बुरा प्रभाव पड़ रहा है आम जनों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है नियमित समय पर जल की आपूर्ति नहीं की जाती महीने में सात दिवसी पानी की आपूर्ति की जाती है और पूरे माह का टैक्स लिया जाता है एवं पानी की समस्या संकट भी छाया हुआ है पानी की दिक्कत परेशानी आम नागरिकों को हो रही है जिसको लेकर आज ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दमुआ एवं नगर कांग्रेस कमेटी दमुआ के द्वारा नगर पालिका पहुंचकर ज्ञापन सोपा गया है और मांग की गई है कि नियमित रूप से सभी वार्डों में पानी की आपूर्ति की जाए और समय-समय पर वार्डों में पानी दिया जाएः इस और ध्यान न देने पर नगर कांग्रेस कमेटी ने उग्र आंदोलन करने की बात कही। ज्ञापन के वक्त भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

कबीर जयंती का पावन पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

नगर के वार्ड नंबर 13 में स्थित कबीर कुटी में कबीर जयंती का पावन पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सदगुरु कबीर एकता समिति वारासिवनी के तत्वाधान में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में सुबह से लेकर शाम तक विभिन्न धार्मिक और आध्यात्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु कबीरवाणी और भजनों का लाभ उठाने पहुंचे।

इस धार्मिक समागम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में बांधवगढ़ से पधारे हरीश पंडा साहेब और उनके सहयोगी साथियों की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। बाहर से आए इन अनुभवी संतों और विद्वानों की देखरेख में पूरे कार्यक्रम को पूर्ण विधि विधान और वैदिक कबीर पंथी परंपरा के अनुसार संपन्न कराया गया। कबीर जयंती के अवसर पर कबीर कुटी में सुबह से ही भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया था। दिन भर चले कार्यक्रमों की शुरुआत अलसुबह अत्यंत पवित्र माहौल में गुरु महिमा पाठ के साथ हुई। इसके पश्चात संतों और समिति के पदाधिकारियों की उपस्थिति में पूरी गरिमा के साथ झंडा वंदन किया गया। दोपहर में सामूहिक सत्संग का आयोजन किया गया। जिसमें हरीश पंडा साहेब ने संत व कबीर दास जी के दोहों और उनकी साखियों के माध्यम से समाज को एकता, समरसता और मानवता का संदेश दिया।

सत्संग के बाद विश्व शांति और जन कल्याण की कामना के साथ कबीर कुटी परिसर में महायज्ञ का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं ने आहुतियां दीं। कबीर पंथ की विशेष परंपरा के अनुसार शाम को बेहद आकर्षक आनंदी चौका आरती उतारी गई।आरती के संपन्न होने के बाद उपस्थित सभी भक्तों और नगरवासियों के बीच महाप्रसादी का वितरण किया गया। जिसे सैकड़ों श्रद्धालुओं ने अत्यंत श्रद्धाभाव से ग्रहण किया। इस सफल आयोजन के पीछे सदगुरु कबीर एकता समिति की पूरी टीम की कड़ी मेहनत और सुव्यवस्थित प्रबंधन रहा।

वारि जलाशय केज परियोजना में 'मछली नहीं, पैसा तैरा', 2.70 करोड़ की लागत पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज लांजी। मत्स्य विभाग द्वारा रू2.70 करोड़ की लागत से स्थापित 90 केज परियोजना विवादों में घिर गई है। प्रत्येक केज की क्षमता 3 MT यानी कुल उत्पादन क्षमता 270 MT होने के बावजूद दो साल बाद भी केज मालिकों ने मछली नहीं बेची है। परियोजना का मकसद केज एक्वाकल्चर से उत्पादन बढ़ाकर किसानों और व्यापारियों को लाभ देना था।

आरोप है कि केज मालिक श्री संदीप परदेशी, इंदौर और श्री गोपाल जी पाल, भोपाल अब तक मछली बेचने से बच रहे हैं। सूत्रों के अनुसार केज में मछली का वजन 1 किलो तक भी नहीं पहुंचा, जबकि सरकारी धन का पूरा उपयोग हो चुका है।

मत्स्य विज्ञान में स्नातकोत्तर फिश ट्रेडर सरगम कश्यप 20 MT मछली नकद खरीदने को तैयार हैं। लेकिन केज मालिकों की चुप्पी और फोन न उठाने से व्यापार ठप है। इससे स्थानीय व्यापारियों में नाराजगी है।

1. 270 MT क्षमता वाले केज में आखिर मछली कहां गई? 2. केज में मछली है या सिर्फ सरकारी धन का खेल? 3. किसानों और व्यापारियों को लाभ पहुंचाने का वादा कहां गया? 4. क्या यह परियोजना ठेकेदारों की जेब भरने के लिए थी?जनता और व्यापारियों ने मत्स्य विभाग और प्रशासन से परियोजना की सच्चाई उजागर करने, केज मालिकों को जवाबदेह ठहराने और किसानों-फिश ट्रेडरों को न्याय दिलाने की मांग की है।

कब्रिस्तान भूमि पर अतिक्रमण का आरोप, बढ़ा विवाद

नंदोरा में शासकीय भूमि पर निर्माण कार्य को लेकर मामला गरमाया, पुलिस और प्रशासन से कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज लांजी। लांजी तहसील क्षेत्र के ग्राम नंदोरा में कब्रिस्तान की शासकीय भूमि पर कथित अतिक्रमण और निर्माण कार्य को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। मामले को लेकर ग्राम में तनाव की स्थिति बनने लगी है। शिकायतकर्ता ने पुलिस थाना लांजी एवं तहसीलदार न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत कर त्वरित कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार ग्राम नंदोरा स्थित शासकीय भूमि, खसरा क्रमांक 57, रकबा 0.202 हेक्टेयर राजस्व अभिलेखों में कब्रिस्तान मद के रूप में दर्ज है। बताया गया कि इस भूमि का उपयोग मुस्लिम समाज द्वारा लगभग 100 वर्षों से कब्रिस्तान के रूप में किया जाता रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार यह भूमि धार्मिक एवं सामाजिक दृष्टि से विशेष महत्व रखती है। ग्राम के निवासी अब्दुल हफिज खान ने आरोप लगाया है कि गांव के ही राहुल गुप्ता और सुरजदिन गुप्ता द्वारा कब्रिस्तान भूमि के एक हिस्से पर कथित रूप से अवैध कब्जा कर मकान निर्माण कराया जा रहा है। शिकायतकर्ता के अनुसार लगभग 2-2 डिसमिल भूमि पर निर्माण गतिविधियां चल रही हैं।

अब्दुल हाफिज ने बताया कि उन्होने जब निर्माण कार्य रोकने और कथित अतिक्रमण हटाने की बात कही, तो विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई। आरोप है कि संबंधित पक्षों द्वारा गाली-गलौज की गई और मारपीट पर उतारू हो गए।शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई। इससे गांव में तनाव और अशांति की स्थिति बनने की आशंका जताई गई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते मामले का समाधान नहीं हुआ तो सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो सकता है।

मामले को गंभीर बताते हुए शिकायतकर्ता ने पुलिस प्रशासन से सुरक्षा उपलब्ध कराने तथा संबंधित लोगों के खिलाफ उचित दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है। साथ ही तहसीलदार न्यायालय से कथित अतिक्रमण हटाने और जारी निर्माण कार्य पर रोक लगाने की अपील की गई है। फिलहाल मामला पुलिस और राजस्व विभाग के संज्ञान में है।

किसानों की आय तो दोगुनी नहीं हुई, मगर लागत दोगुनी हो गई-विधायक

कृषि महाविद्यालय में प्राकृतिक खेती कार्यशाला का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। जनपद पंचायत वारासिवनी अंतर्गत ग्राम मुरझड़ में स्थित राजा भोज कृषि महाविद्यालय में प्राकृतिक खेती कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को रासायनिक उर्वरको से मुक्त खेती के लिए जागरूक करना और उनकी आय को बढ़ाना है।

कार्यशाला में कृषि वैज्ञानिकों ने गौ आधारित जैविक संसाधनों पर जोर दिया। इससे खेती की लागत भी कम होती है और मिट्टी की उर्वरता में सुधार होता है। इस कार्यक्रम में वारासिवनी -खैरलांजी क्षेत्र के विधायक विवेक विक्की पटेल, कटंगी विधायक गौरव सिंह पारधी, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष पुष्पा किशोर अमूले, पूर्व विधायक प्रदीप जायसवाल, नगर कांग्रेस अध्यक्ष अनिल पिपरेवार,विधायक प्रतिनिधि विवेक जुझार,भाजपा नेता शैलेन्द्र सेठी, जनपद पंचायत भूतपूर्व अध्यक्ष किशोर अमूले, राजकुमार चौधरी, वेदप्रकाश राहंगडाले, प्रकाश राउत आदि का कृषि अधिकारियों द्वारा स्वागत किया।

इस मौके पर उपस्थित किसानों को सम्बोधित करते हुए पूर्व विधायक प्रदीप जायसवाल ने कहा कि हमारा बालाघाट जिला कृषि के नाम से जाना जाता है।कृषि कार्यक्रमों के माध्यम से खेती संबंधित किसानों को जानकारी मिलती है। हमारी भाजपा सरकार ने खेती को लाभ का धंधा बनाया है।मेहनत करने का फल भी मिलता है। खाद बीज किसानों को पर्याप्त मात्रा में मिल रहा है।आने वाले समय पर गर्मी का और तापमान बढ़ता चला जाएगा। इसलिए हमें वृक्षारोपण भी करना जरूरी है। हमारे विधानसभा क्षेत्र में पानी की कमी नहीं है।हम बाहर जाते है। तो हमें पानी की समस्या दिखती है।इस वर्ष चिन्नौर की खेती कम हुई है। किसानों को लागत कम और ज्यादा मुनाफा हो, हमारी सरकार प्रयासरत है।किसानों को शून्य ब्याज पर राशि दे रही है।सब्सिडी मिल रही है। किसानों का उत्साह खेती की ओर रहे, हमारी सरकार का पूरा ध्यान है।केंद्र और प्रदेश सरकार प्रयास कर रही कि और किसानों को खेती में सुविधा मिले।पूरा ध्यान दिया जा रहा है।

विधायक विवेक पटेल ने कहा कि प्रदेश कृषि कल्याण वर्ष मना रहा है। और दूसरी तरफ किसानों को खेती के लिए पानी नहीं मिल रहा है।किसानों का कल्याण नहीं हो रहा है और प्रदेश कृषि वर्ष मना रहा है।जब किसान खुश ही नहीं है।तो कैसा कृषि कल्याण वर्ष। हम चाहते है कि खेती लाभ का धंधा बने, किसानों की आय दोगुनी हो। मगर किसानों की आय दोगुनी तो नहीं हुई, लागत डबल हो गई। पानी की किल्लत के कारण इस वर्ष हमारे क्षेत्र के किसान रबी की फसल नहीं लगा पाए। हम सरकार के भरोसे ना रहे,ये सरकार सिर्फ घोषणा करती है।किसान अपनी दम पर खेती करे। ये सरकार किसानों की नहीं सोचती है।किसानों को हर वर्ष खाद बीज संकट से जूझना पड़ता है।इस वर्ष किसान सरसों बेचने घूमता रहा।मगर सरकार ने किसानों की सरसों को नहीं खरीदी।हम चाहते है कि धरातल में किसानों की हर समस्याओं का समाधान हो।जब लागत बढ़ रही है। तो किसानों की लागत भी बढ़नी चाहिए।किसान वही फसल लगाए जिससे उन्हें फायदा हो।

शाला परिवार ने दी नम आंखों से विदाई, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बनाया यादगार

सेवानिवृत्त प्राचार्य शैलेन्द्र गुप्ता को दी भावभीनी विदाई

हरिभूमि न्यूज कटंगी। नगर के शासकीय सांदीपनि स्कूल में शुक्रवार 19 जून को एक भावुक पल देखने को मिला, जब शाला परिवार ने अपने प्राचार्य शैलेन्द्र कुमार गुप्ता को सेवानिवृत्ति पर नम आंखों से विदाई दी। 31 मई 2026 को शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त हुए प्राचार्य गुप्ता के सम्मान में दोपहर 12 बजे स्कूल परिसर में भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उनके परिवार के साथ शिक्षा जगत की अन्य हस्तियां मौजूद रहीं। विदाई समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त प्राचार्य शैलेन्द्र कुमार गुप्ता अपनी धर्मपत्नी, पुत्र और पुत्री के साथ शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य यतीन्द्र अग्रवाल ने की। विशेष अतिथि के रूप में संस्था से पूर्व में सेवानिवृत्त शिक्षक संजय वर्मा, सुश्री सुनीता वर्मा, माध्यमिक शाला के प्रधान पाठक वाय.के. गढ़पाण्डे और शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य एस.पी. डहरवाल मंच पर उपस्थित रहे। समारोह की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद शाला परिवार के प्रत्येक शिक्षक-शिक्षिका ने बारी-बारी से शैलेन्द्र कुमार गुप्ता को पुष्पहार पहनाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। प्रभारी प्राचार्य यतीन्द्र अग्रवाल ने शाला परिवार की ओर से उन्हें शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस दौरान पूरा माहौल भावुक हो गया। विदाई समारोह को यादगार बनाने के लिए छात्र-छात्राओं ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। छात्राओं ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया। छात्राओं ने लोक नृत्य के माध्यम से प्राचार्य के कार्यकाल को नमन किया। बच्चों की प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। प्राचार्य गुप्ता ने सभी बच्चों को आशीर्वाद दिया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उल्लेखनीय है कि शैलेन्द्र कुमार गुप्ता ने शासकीय सांदीपनि स्कूल कटंगी के प्राचार्य के रूप में अल्प समय के लिए ही कार्यभार संभाला लेकिन इस छोटे से समय में उन्होंने स्कूल की शैक्षणिक और अनुशासनात्मक व्यवस्था में कई सकारात्मक बदलाव किए। उनके नेतृत्व में स्कूल में समय पालन, साफ-सफाई और बोर्ड परीक्षा परिणाम को लेकर विशेष प्रयास किए गए। प्रभारी प्राचार्य यतीन्द्र अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा, शैलेंद्र सर के साथ कार्य करने का समय भले ही कम मिला, लेकिन इस दौरान बहुत कुछ सीखने को मिला। उनका प्रशासनिक अनुभव और शैक्षणिक दृष्टिकोण अनुकरणीय है। उन्होंने हमें सिखाया कि कैसे सीमित संसाधनों में भी बेहतर परिणाम दिए जा सकते हैं। हम उनके स्वस्थ और सुखी जीवन की कामना करते हैं। अपने विदाई भाषण में शैलेन्द्र कुमार गुप्ता भावुक हो गए। उन्होंने कहा, 31 मई को मैं औपचारिक रूप से सेवानिवृत्त हो गया था, लेकिन आज आप सबने जो सम्मान और प्यार दिया है, वह मैं जीवन भर नहीं भूलूंगा। सांदीपनि स्कूल का यह शाला परिवार मेरा अपना परिवार बन गया है। उन्होंने आगे कहा, शिक्षक राष्ट्र निर्माता होता है। सेवानिवृत्ति के बाद भी मैं शिक्षा और समाज के लिए काम करता रहूंगा। बच्चों से मेरी अपील है कि खूब मेहनत करें और अपने माता-पिता व स्कूल का नाम रोशन करें।

खबर संक्षेप

लक्ष्मी नारायण मंदिर मे भंडार आज

हरिभूमि न्यूज सिवनी। भगवान श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी दिनांक 20 जून दिन शनिवार 2026 को रात्रि 7:30 बजे से भंडारे का आयोजन किया गया है। आप सहपरिवार पहुंच भोजन प्रसादी ग्रहण कर,पुण्य लाभ कमाए।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत मृतक के परिजन को मिली 2 लाख रुपये की सहायता राशि

हरिभूमि न्यूज सिवनी। केंद्र सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत सिमरिया क्षेत्र के निवासी स्वर्गीय रूपाराम के परिजनों को 2 लाख रुपये की बीमा दावा राशि प्रदान की गई। स्वर्गीय रूपाराम का यूनियन बैंक में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत बीमा था। उनके निधन के उपरांत नियमानुसार दावा प्रस्तुत किया गया, जिसके बाद बैंक द्वारा 2 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत कर परिजनों के खाते में जमा कराई गई।
इस अवसर पर बैंक अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना आम नागरिकों को कम प्रीमियम पर जीवन बीमा सुरक्षा प्रदान करती है। किसी भी बीमित व्यक्ति की मृत्यु होने पर उसके नामित परिजन को 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। बैंक प्रबंधन ने क्षेत्र के लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना सहित अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुडक़र अपने परिवार का भविष्य सुरक्षित करें।

अभूतपूर्व धर्म प्रभावना के साथ हुआ मुनि संघ का मंगल पद बिहार

हरिभूमि न्यूज सिवनी। ज्ञान आराधना के महा पर्व श्रुत पंचमी पर सकल जैन समाज के तत्वावधान में श्री बड़े जैन मंदिर में प्रातः कालीन बेला में पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के सुशिष्य पूज्य मुनि श्री निर्वेगसागर महाराज के ससंघ सानिध्य में श्री बड़े बाबा भगवान पार्श्वनाथ प्रभु एवं स्वर्ण ग्रन्थ का महाभिषेक शांतिधारा कर श्री श्रुत स्कंध महार्चना का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूज्य मुनि श्री जी को शास्त्र दान के रूप में जिनवाणी ग्रन्थ समर्पित किया गया। इस अवसर पर पूज्य मुनि श्री जी ने अपनी देशना प्रदान करते हुए कहा कि जैन धर्म और संस्कृति में श्रुत पंचमी ज्ञान की आराधना का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पर्व है मौखिक से लिखित परंपरा की शुरुआत इसी दिन से हुई। इसके पूर्व भगवान महावीर के निर्वाण के बाद उनके उपदेशों को केवल सुनकर याद रखा जाता था। श्रुत ज्ञान के लुप्त होने के भय को देखते हुए, आचार्य धरसेन के मार्गदर्शन में मुनि पुष्पदंत और मुनि भूतबली ने प्राचीन ज्ञान को पहली बार ताड़पत्रों पर लिखकर पांडु लिपि के रूप में सहेजा।
प्रथम आगम षट्खंडागम की पूर्णताः इसी ऐतिहासिक दिन (ज्येष्ठ शुक्ल पंचमी) को जैन धर्म के प्रथम महान ग्रंथ षट्खंडागम की रचना के रूप में पूरी हुई यह दिगंबर परंपरा का सबसे प्राचीन और प्रामाणिक उपलब्ध ग्रंथ है। इस अवसर पर चातुर्मास प्रवास की कामना करते हुए सकल जैन समाज की और से मुनि संघ को श्रीफल अर्पित किया गया।
उल्लेखनीय है इस महान पर्व पर मंदिर जी के ग्रंथागार में विराजित बहुमूल्य धवल महाधवल जय धवल की पांडु लिपियों के साथ स्वर्ण ग्रन्थ दर्शनार्थियों के दर्शनार्थ बाहर निकाले गए । श्रुत पंचमी पर्व पर पूज्य मुनि श्री की प्रेरणा से रजत रथ पर श्री जी एवं शास्त्रों की शोभा यात्रा मंदिर जी के परिक्रमा मार्ग से निकाली गई।

छह शिकायतों के बाद भी कार्रवाई नहीं होने से बढ़ा आक्रोश, जनपद कार्यालय के सामने आंदोलन की तैयारी

सिवनी/कुरई : ग्राम पंचायत बिछुआमाल में पंचायत सचिव अनतलाल गेडाम के खिलाफ ग्रामीणों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। पंचायत के सरपंच, उपसरपंच, पंचों एवं ग्रामीणों ने सचिव के स्थानांतरण की मांग को लेकर जनपद पंचायत कुरई प्रशासन को अंतिम चेतावनी देते हुए 19 जून से अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू करने की घोषणा की है।

ग्रामीणों का आरोप है कि सचिव की कार्यप्रणाली, लापरवाही एवं कथित वित्तीय अनियमितताओं के कारण पिछले छह माह से पंचायत के विकास कार्य प्रभावित हैं। उनका कहना है कि सचिव के विरुद्ध पूर्व में छह लिखित शिकायतें तथा दो आवेदन कलेक्टर जनसुनवाई में प्रस्तुत किए जा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। जनपद पंचायत कुरई के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को सौंपे गए ज्ञापन में ग्रामीणों ने मांग की है कि 19 जून 2026 को सुबह 11 बजे तक सचिव को हटाकर अन्य सचिव की पदस्थापना की जाए। मांग पूरी नहीं होने की स्थिति में जनपद पंचायत कार्यालय के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू किया जाएगा।
ग्रामीणों ने स्पष्ट किया है कि उनका आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण और अहिंसक होगा तथा किसी भी प्रकार से शासकीय कार्य में बाधा नहीं पहुंचाई जाएगी। हालांकि उन्होंने यह भी कहा है कि निर्धारित समय-सीमा के बाद उत्पन्न होने वाली किसी भी प्रशासनिक या कानून-व्यवस्था संबंधी स्थिति की जिम्मेदारी संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों की होगी। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत के विकास एवं जनहित कार्यों को गति देने के लिए सचिव के स्थानांतरण सहित आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई तत्काल की जानी चाहिए।

क्या कहती हैं सरपंच

श्रीमती दुर्गा गोंनंगे, सरपंच ग्राम पंचायत बिछुआमाल ने कहा, हमारे द्वारा कई बार सचिव के खिलाफ शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। सचिव द्वारा पंचायत में किसी प्रकार का कार्य नहीं किया जा रहा है और ग्रामीणों से अभद्र भाषा में बात की जाती है।"

जिला पंचायत उपाध्यक्ष का बयान

राकेश सनोडिया, जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने कहा, "सचिव द्वारा ग्रामीणों को परेशान किया जा रहा है और अधिकारियों द्वारा किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की जा रही है। ऐसे में हम धरना-प्रदर्शन करने के लिए बाध्य हैं।"

मिशन शक्ति के तहत किशोरी बालिकाओं ने किया पुलिस कंट्रोल रूम का शैक्षणिक भ्रमण

सुरक्षा व्यवस्थाओं की मिली जानकारी

सिवनी। कलेक्टर सिवनी श्रीमती नेहा मीना के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग मनोज लारोकर के मार्गदर्शन में मिशन शक्ति अंतर्गत संचालित बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत जागरूकता गतिविधियों का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार 19 जून 2026 को किशोरी बालिकाओं एवं महिलाओं के लिए पुलिस कंट्रोल रूम सिवनी का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया।
भ्रमण के दौरान टाऊन इंस्पेक्टर एवं प्रभारी पुलिस कंट्रोल रूम सिवनी ओमेश्वर ठाकरे ने बालिकाओं को कंट्रोल रूम की कार्यप्रणाली, आपातकालीन कॉल प्राप्त करने की प्रक्रिया तथा संकट की स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आपातकालीन परिस्थितियों में प्राप्त सूचनाओं पर किस प्रकार तत्काल कार्रवाई की जाती है तथा महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस विभाग निरंतर कार्यरत रहता है। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं ने कंट्रोल रूम में उपयोग किए जाने वाले आधुनिक संचार उपकरणों एवं निगरानी तंत्र का अवलोकन किया। साथ ही पुलिस अधिकारियों से विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया।
इस अवसर पर महिला सुरक्षा एवं साइबर सुरक्षा विषय पर विशेष जानकारी प्रदान करते हुए हेल्पलाइन नंबर

1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 112 (आपातकालीन सेवा), 1930 (साइबर फ्रॉड हेल्पलाइन) एवं 181 (महिला हेल्पलाइन) के बारे में विस्तार से बताया गया। बालिकाओं एवं महिलाओं को किसी भी समस्या या संकट की स्थिति में निडर होकर अपनी बात साझा करने तथा उपलब्ध सहायता सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।
कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किशोरी बालिकाओं में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, उन्हें उनके अधिकारों एवं सुरक्षा संसाधनों की जानकारी देना तथा पुलिस व्यवस्था के प्रति विश्वास को और अधिक मजबूत करना रहा।
कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक सुश्री ईशा बाल्मिक, सेंटर एडमिन श्रीमती नारायणी सक्सेना, केस वर्कर श्रीमती सोनल सक्सेना, पर्यवेक्षक श्रीमती भाविका वासनिक सहित बड़ी संख्या में किशोरी बालिकाएं एवं महिलाएं उपस्थित रहीं।

जहरीला पदार्थ सेवन करने से एक की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

जिले के किंदरई थाना क्षेत्र के मानेगांव में गुरुवार देर रात एक शख्स की जहरीला पदार्थ सेवन करने से मौत हो गई। पुलिस ने घटना की सूचना मिलते ही जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, मानेगांव निवासी सुशील शर्मा (56), पिता स्व. शिव प्रसाद शर्मा ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। उनकी हालत बिगडऩे पर परिजन उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।
जहर पीने का कारण पता नहीं
घटना की सूचना मिलने पर किंदरई थाना पुलिस अस्पताल पहुंची। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए शव का पंचनामा तैयार किया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि मृतक ने किन परिस्थितियों में जहरीले पदार्थका सेवन किया। पुलिस घटना के कारणों का पता लगाने के लिए परिजनों, रिश्तेदारों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। यह भी जांच की जा रही है कि यह आत्महत्या का मामला है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है।
मेडिकल रिपोर्ट से मौत का खुलासा होगा किंदरई थाना प्रभारी गजेंद्र सिंह राजपूत ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि जांच पूरी होने और मेडिकल रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ही घटना के संबंध में स्पष्ट जानकारी सामने आ पाएगी।

सिवनी की बेटी पायल गरेवाल बनीं चार्टर्ड अकाउंटेंट

हरिभूमि न्यूज सिवनी। नगर की प्रतिभाशाली बेटी पायल गरेवाल ने चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) फाइनल परीक्षा में सफलता प्राप्त कर अपने परिवार और जिले का नाम रोशन किया है। 18 जून को घोषित सीए फाइनल परीक्षा परिणाम में पायल ने सफलता हासिल कर चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने का गौरव प्राप्त किया।
पायल गरेवाल, पिता संदीप गरेवाल एवं माता नीतू गरेवाल, निवासी बारापत्थर, जिला सिवनी की पुत्री हैं। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा के दौरान भी उत्कृष्ट प्रदर्शन

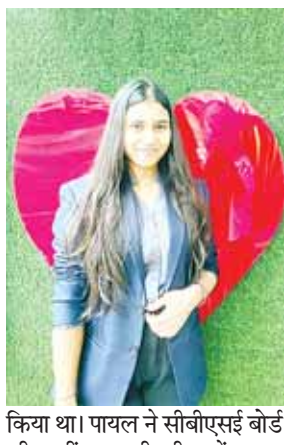

किया था। पायल ने सीबीएसई बोर्ड की 12वीं कक्षा की परीक्षा में 98.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सिवनी जिले में शीर्ष स्थान हासिल किया था। 12वीं के बाद उन्होंने बीकॉम की पढ़ाई पूरी करने के साथ-साथ सीए की कठिन परीक्षाओं की तैयारी जारी रखी। अपनी लगन, मेहनत और अनुशासन के बल पर उन्होंने सीए के विभिन्न चरणों को लगातार उत्तीर्ण किया और मात्र 23 वर्ष की आयु में चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने का सपना साकार कर लिया। पायल की इस उपलब्धि से परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों और जिलेवासियों में हर्ष का माहौल है। उनकी सफलता उन युवाओं के लिए प्रेरणा है जो कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प के साथ अपने लक्ष्य को प्राप्त करने का सपना देखते हैं।
जिले के गणमान्य नागरिकों, शिक्षकों, शुभचिंतकों एवं सामाजिक संगठनों ने पायल गरेवाल को इस शानदार उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। पायल की सफलता ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि सिवनी की बेटियां किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर सकती है।

वैनगंगा पुल से आत्महत्या का प्रयास विफल, छपारा पुलिस और युवाओं ने बचाई महिला की जान

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

छपारा पुलिस की तत्परता और स्थानीय युवाओं की सूझबूझ से गुरुवार को एक 25 वर्षीय विवाहित महिला को वैनगंगा नदी में कूदकर आत्महत्या करने से बचा लिया गया। पुलिस एवं नागरिकों के संयुक्त प्रयास से महिला को सुरक्षित बचाकर उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया।
प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार शाम लगभग 4:43 बजे छपारा निवासी विशाल सिंह उर्फ टोनी ठाकुर ने थाना प्रभारी छपारा को सूचना दी कि वैनगंगा नदी पर बने बड़े पुल पर एक महिला नदी की ओर लटककर बैठी है और आत्महत्या करने की धमकी दे रही है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी ने विशाल ठाकुर को महिला को बातचीत में उलझाए रखने तथा अन्य लोगों की सहायता से उसे सुरक्षित रोकने के निर्देश दिए।
सूचना पर तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंची।
पुलिस एवं उपस्थित नागरिकों ने सूझबूझ और हिकमत अमली का परिचय देते हुए महिला को नदी में कूदने से रोक लिया। इसके बाद महिला को सुरक्षित थाना लाकर उसके परिजनों को सूचना दी गई और आवश्यक समझाइश के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

निःशुल्क शिक्षा और ट्रेनिंग पाकर 8 युवाओं का भारतीय सेना में चयन, सेवाभावी गुरुओं का हुआ सम्मान

सिवनी। जिले के युवाओं को निःशुल्क शिक्षा एवं शारीरिक कौशल ट्रेनिंग देकर देश सेवा के लिए तैयार करने वाले सेवाभावी गुरुओं और सेना में चयनित 8 युवाओं का नगर में भव्य सम्मान किया गया। आज सिवनी नगर के बारापत्थर बाहुबली चौक स्थित होटल बाहुबली में दोपहर 12 बजे गुरुओं के सेवाभाव को नमन कर संरक्षक के रूप मे भाजपा जिला महामंत्री संतोष अग्रवाल द्वारा निःस्वार्थ भाव से युवाओं का भविष्य संवारने वाले सेवाभावी राजा ठाकुर एवं मनोज यादव सहित सेना में चयनित सभी युवाओं का अंगवस्त्र पहनाकर और फूलमालाओं से आत्मीय स्वागत, अभिनंदन किया गया। तथा सभी का मुंह मीठा कराकर खुशियां बांटी गईं।
इस दौरान संतोष अग्रवाल ने दोनों गुरुओं के इस प्रयास को क्रांतिकारी कदम बताते हुए कहा कि जहां आज के दौर में लोग पैसों को तवज्जो देते हैं, वहीं ऐसे राष्ट्रभक्त भी हैं जो दिन-रात निःस्वार्थ भाव से युवाओं की दशा और दिशा बदल रहे हैं। देश सेवा के लिए चुने गये इन युवाओं पर पूरे जिले को गर्व है।
ज्ञात हो कि श्री राजा ठाकुर द्वारा एसपी बंगले के पास स्थित वैदिक कोचिंग के माध्यम से प्रतिदिन सुबह 07 से 09 बजे तक युवाओं को निःशुल्क शिक्षा देकर उनका बौद्धिक स्तर संवारा जा रहा है। वहीं सेवानिवृत्त आर्मीमेन मनोज यादव द्वारा कमांडो एकेडमी के माध्यम से प्रतिदिन फुटबॉल स्टेडियम में सुबह 06 से 08 बजे तक युवाओं को निःशुल्क फिजिकल ट्रेनिंग देकर देश सेवा के लिए तैयार किया जा रहा है। उक्त दोनों गुरुओं के मार्गदर्शन और कड़े परिश्रम की बदौलत जिले के 8 शिक्षित युवाओं का चयन भारतीय सेना में हुआ है। जिसमें अमिताभ जावरे (पतरई, कान्हीवाड़ा), शिवम पटले (डोरली, बरघाट), प्रिंस भलावी (बंडोल), लकी ऐडे (विजयपानी खुर्द, केवलारी), अजय सोनी (सिंगपुर, बरघाट), अनिकेत कटरे (बिछुआ घूरवाड़ा), अनुराग डहेरिया (महुआटोला, छपारा), संदेश बिसेन (खर्रापाठ, बरघाट) शामिल हैं

सहकारी समिति कर्मचारी की मौत की निष्पक्ष जांच की मांग, सांसद को सौंपा ज्ञापन

सिवनी। सेवा सहकारी समिति भोमा के कर्मचारी स्वर्गीय प्रांजुल हरिनखेड़े की मौत के मामले में उनकी पत्नी अव्वेशा हरिनखेड़े ने सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि प्रांजुल हरिनखेड़े की 3 जून 2026 को मृत्यु हो गई थी। परिवार का आरोप है कि मृत्यु से पहले वे लंबे समय से आर्थिक और मानसिक तनाव से गुजर रहे थे। उनके चार से पांच माह का वेतन लंबित था, जबकि करीब 10 से 11 माह से वेतन वृद्धि का लाभ भी नहीं मिला था। इस संबंध में उन्होंने कई बार संबंधित अधिकारियों से संपर्क किया, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। परिजनों के अनुसार स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के बीच वेतन और अन्य देयकों का भुगतान नहीं होने से उनकी आर्थिक स्थिति प्रभावित हुई। परिवार ने ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया है कि समिति के प्रशासक दिलीप डेहरिया, कंप्यूटर ऑपरेटर अजय टेमरे और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी जितेंद्र हनवत के व्यवहार के कारण वे मानसिक दबाव महसूस करते थे। हालांकि इन आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। ज्ञापन में मृत्यु से पूर्व की परिस्थितियों, लंबित वेतन भुगतान, वेतन वृद्धि के प्रकरण तथा कार्यस्थल के वातावरण की उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है। साथ ही जांच में यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही, प्रताडऩा अथवा अन्य जिम्मेदारी सामने आती है तो उनके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करने और पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध भी किया गया है।

शिक्षक पात्रता परीक्षा के विरोध में मध्य प्रदेश शिक्षक संघ ने सौपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जिला अध्यक्ष अविनाश पाठक के नेतृत्व में 23 अगस्त 2010 के पूर्व नियुक्त सभी शिक्षकों को टीईटी शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता से स्थाई रूप से मुक्त किए जाने की मांग करते हुए देश के प्रधानमंत्री एवं शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौपा गया ।
अपने ज्ञापन में मांग की गई है कि देशभर के लाखों शिक्षकों में वर्तमान समय में गहरी चिंता पीड़ा एवं असुरक्षित की भावना व्याप्त है। इसका कारण 23 अगस्त 2010 को राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा जारी शिक्षक पात्रता परीक्षा संबंधी अधिसूचना तथा उसके संदर्भ में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 29 मई 2026 को दिए गए निर्णय से उत्पन्न परिस्थितियां हैं जिसके कारण वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों

के सेवा अधिकारों एवं भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पडऩे की अशंका व्यक्त की जा रही है।
यह निर्णय भारतीय विधिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था के स्थापित सिद्धांत जिसमें अधिसूचना उसके प्रवर्तन तिथि से प्रभावित होती है के विरुद्ध है। दशकों से सेवा दे रहे शिक्षकों के अनुभव, कार्य कुशलता एवं योगदान को समुचित महत्व दिया जाना चाहिए। सांसद एवं केंद्र सरकार आवश्यक विधायी अथवा नीतिगत हस्तक्षेप कर शिक्षक वर्ग को उचित संरक्षण प्रदान कर सकती है। इस नियम के लागू होने से न्याय ,समानता एवं विधिक निष्पक्षता के सिद्धांतों की अवहेलना हो रही है। शिक्षक संघ के जिला मीडिया प्रभारी बृजकिशोर शर्मा ने कहा कि संघ को विश्वास है कि राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले इस शिक्षक वर्ग के साथ भारत सरकार संवेदनशीलता, दूरदर्शिता एवं न्याय पूर्ण दृष्टिकोण का परिचय देगी। ज्ञापन के दौरान संघ के जिला सचिव संतोष सूर्यवंशी, कोषाध्यक्ष के एल पटले, उपाध्यक्ष सचिन जैन, एवं विभिन्न विकास खंडों से मनोज कश्यप, परशुराम सनोडिया, रघुनाथ चौकसे, उमेश उइके , राम ठाकुर श्रीमती सरोज मरावी, श्रीमती मैडम धुर्वे, जैस पटले , हरिखेड़े, गफ्फार खान अजय यादव एवं बड़ी संख्या में शिक्षक प्रतिनिधि पदाधिकारी उपस्थित है।

बाल देखरेख संस्थाओं का जिला निरीक्षण समिति ने किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज सिवनी। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग सिवनी ने बताया कि कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के आदेशानुसार जिले की समस्त शासकीय एवं अशासकीय बाल देखरेख संस्थाओं के नियमित निरीक्षण हेतु जिला निरीक्षण समिति का गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 एवं किशोर न्याय आदर्श संशोधन नियम, 2022 के तहत गठित जिला निरीक्षण समिति द्वारा 18 जून 2026 को जिले में संचालित शासकीय बाल देखरेख संस्थाओं विशेष गृह, संप्रेक्षण गृह एवं सुरक्षित स्थान सिवनी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान समिति के अध्यक्ष अपर कलेक्टर श्री सी.एल. चनाप, सदस्य किशोर न्याय बोर्ड श्रीमती शशिबाला डेहरिया, जिला बाल संरक्षण अधिकारी एवं सदस्य-सचिव श्री मनोज तारोकर, अशासकीय सामाजिक कार्यकर्ता एवं गूंज संस्था की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा चौहान तथा पूर्व सदस्य किशोर न्याय बोर्ड एवं बाल कल्याण समिति श्रीमती संध्या चंदेल उपस्थित रहीं।

कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

कुपोषित एवं कुपोषण के प्रति संवेदनशील बच्चों के चिन्हांकन और उन्मूलन के लिए समग्र कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश

सिवनी/ जिले को कुपोषण मुक्त बनाने के लक्ष्य को लेकर कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने शुक्रवार 19 जून को सिवनी विकासखंड के आंगनबाड़ी केंद्र कोहका एवं केकड़वानी का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्रों में पंजीकृत एवं उपस्थित बच्चों की जानकारी प्राप्त की तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए संचालित गतिविधियों की समीक्षा की।
कलेक्टर ने बच्चों के बौद्धिक एवं शारीरिक विकास से जुड़ी गतिविधियों का अवलोकन करते हुए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बच्चों की ऊंचाई एवं वजन का परीक्षण कर उनके पोषण स्तर की समीक्षा की तथा बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी अभिलेखों का भी अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल पोषण आहार वितरण के केंद्र नहीं हैं, बल्कि बच्चों के समग्र विकास, प्रारंभिक शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और बेहतर भविष्य की मजबूत आधारशिला हैं। प्रत्येक पात्र बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।
निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कुपोषित, अतिकुपोषित एवं कुपोषण के प्रति संवेदनशील बच्चों की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने ऐसे बच्चों को सामान्य श्रेणी में लाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली और निर्देश दिए कि इन बच्चों को नियमित रूप से आंगनबाड़ी केंद्रों में बुलाकर आवश्यक पोषण आहार उपलब्ध कराया जाए।
उन्होंने कहा कि जिन बच्चों की स्थिति गंभीर है, उन्हें आवश्यकता अनुसार पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में भर्ती कराया जाए तथा उनके स्वास्थ्य की सतत निगरानी की जाए। साथ ही बच्चों के अभिभावकों की नियमित काउंसलिंग सुनिश्चित की जाए, ताकि उन्हें संतुलित आहार, स्वच्छता, टीकाकरण और बच्चों की देखभाल के प्रति जागरूक किया जा सके।

एएनएम संवर्ग की 10 सूत्रीय मांगों को लेकर नवागत CMHO डॉ. पंकज दुबे को सौंपा ज्ञापन

वेतन विसंगति दूर करने/संविदा एएनएम के नियमितीकरण, और नर्सिंग संवर्ग में पुनः शामिल करने की मांग

सिवनी। संयुक्त एएनएम एसोसिएशन (संविदा-नियमित कर्मचारी संघ) की प्रदेश अध्यक्ष विमलेश शर्मा के नेतृत्व में गुरुवार को मध्यप्रदेश राज्य के सभी जिलों के कर्मचारियों के द्वारा प्रदेश के सभी सीएमएचओ को एक साथ ज्ञापन सोपा गया कर्मचारी के द्वारा 10 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में एएनएम संवर्ग की वर्षों से लंबित समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग की गई। जिला अध्यक्ष श्रीमती विजयलक्ष्मी आमाडारे श्रीमती राखी बघेल श्रीमती सरोज बघेल श्रीमती योगिता मिश्रा श्रीमती पूनम तिवारी के द्वारा कहा गया कि एएनएम संवर्ग वर्ष 1950 से स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ के रूप में कार्य कर रहा है। गर्भवती महिलाओं की देखभाल, प्रसव पूर्व सेवाएं, शिशु टीकाकरण तथा विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का सफल संचालन एएनएम के माध्यम से ही किया जाता है। इसके बावजूद इस संवर्ग को अपेक्षित सम्मान, सुविधाएं और आर्थिक लाभ नहीं मिल पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान जब पूरा देश संकट से जूझ रहा था, तब एएनएम ने गांव-गांव पहुंचकर करोड़ों लोगों का टीकाकरण किया। खसरा मुक्त भारत अभियान सहित कई राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भी एएनएम की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण रही, लेकिन प्रोत्साहन राशि और सम्मान के मामले में उन्हें

लगातार उपेक्षित किया गया।
ज्ञापन में मांग की गई कि वर्षों से कार्यरत संविदा एएनएम को नियमित किया जाए तथा नियमित कर्मचारियों के समान सभी सुविधाएं प्रदान की जाएं। वर्ष 2016 में एएनएम संवर्ग को नर्सिंग कैडर से अलग किए जाने संबंधी आदेश को निरस्त कर पुनः नर्सिंग संवर्ग में शामिल किया जाए। साथ ही वेतन विसंगति दूर कर ग्रेड पे 3600 रुपये किया जाए तथा शैक्षणिक योग्यता के आधार पर पदोन्नति का लाभ दिया जाए। विमलेश शर्मा ने बताया कि अनमोल पोर्टल में तकनीकी त्रुटियों और आधार आधारित बायोमेट्रिक व्यवस्था के कारण फील्ड में कार्यरत एएनएम को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण एवं दुर्गम क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या के चलते पोर्टल पर समय पर कार्य करना संभव नहीं हो पाता। इसलिए पोर्टल में एडिट विकल्प उपलब्ध कराया जाए तथा अतिरिक्त तकनीकी कार्य अन्य कर्मचारियों को सौंपे जाएं।
संघ ने सार्थक एप के माध्यम से ई-अटेंडेंस व्यवस्था पर भी आपत्ति जताते हुए कहा कि पहाड़ी, जनजातीय और दूरस्थ क्षेत्रों में कार्यरत एएनएम के लिए नेटवर्क के अभाव में उपस्थिति दर्ज करना बेहद कठिन है। इसलिए एएनएम संवर्ग को ई-अटेंडेंस से मुक्त रखा जाए। ज्ञापन में पीबीआई प्रोत्साहन राशि का भुगतान वास्तविक कार्य करने वाली एएनएम को किए जाने, आयुष्मान आरोग्य मंदिर के अंतर्गत मिलने वाले अनटाइड फंड में हिस्सेदारी सुनिश्चित करने तथा दुर्गम क्षेत्रों में कार्यरत एएनएम को जोखिम भत्ता एवं वाहन सुविधा उपलब्ध कराने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। राज्य कर्मचारी कल्याण समिति अध्यक्ष रमेश चंद्र शर्मा ने संघ की मांगों को गंभीरता से संबंधित स्तर पर रखने का आश्वासन दिया।

स्लॉट बुकिंग की तकनीकी खामी से परेशान अन्नदाता, भूखे-प्यासे काट रहे गोदाम के चक्कर

कटंगी में खाद संकट से जूझते किसान, एनपीके-एसएसपी-एमओपी के दामों में भारी उछाल

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

खरीफ सीजन की तैयारी में जुटे कटंगी क्षेत्र के किसानों के सामने दोहरी मार पड़ी है। एक तरफ यूरिया और डीएपी के लिए गोदामों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ एनपीके, एसएसपी और एमओपी खाद के दामों में भारी बढ़ोतरी ने उनकी कमर तोड़ दी है। स्लॉट बुकिंग की प्रक्रिया में आ रही तकनीकी दिक्कतों ने किसानों की परेशानी और बढ़ा दी है। शुक्रवार को दोपहर 3 बजे तक खजरी स्थित किसान समृद्धि केंद्र के गोदाम में बड़ी संख्या में किसान भूखे-प्यासे खाद के लिए इंतजार करते देखे गए। किसानों ने बताया कि पिछले साल की तुलना में इस बार खाद के दाम आसमान छू रहे हैं। जो एनपीके खाद पहले 1450 रुपये प्रति बोरी मिलती थी, अब उसकी कीमत बढ़कर 2100 रुपये हो गई है। यानी सीधे 650 रुपये का इजाफा हुआ है। इसी तरह एसएसपी की कीमत 505 रुपये से बढ़कर 605 रुपये प्रति बोरी हो गई है। एमओपी खाद जो पहले 1800 रुपये में मिलती थी, अब 1975 रुपये में मिल रही है। यूरिया की एक बोरी फिलहाल 266.50 रुपये और डीएपी 1350 रुपये में मिल रही है। लेकिन किसानों की सबसे बड़ी शिकायत डीएपी की किल्लत को लेकर है। ज्यादातर केंद्रों पर डीएपी का स्टॉक नहीं है, जिससे किसानों को मजबूरी में महंगी एनपीके खरीदनी पड़ रही है। फिलहाल कटंगी क्षेत्र के किसान आसमान से बरसती आग और जमीन पर खाद की किल्लत के बीच खरीफ सीजन को लेकर चिंतित हैं। देखना होगा कि प्रशासन उनकी समस्याओं का समाधान कब तक करता है।

दिनभर बैठने के बाद भी खाली हाथ लौट रहे किसान-

शुक्रवार को खजरी गोदाम का नजारा बेहद परेशान करने वाला था। सुबह 9 बजे से लाइन में लगे किसान दोपहर 3 बजे तक खाद का इंतजार कर रहे थे। कई किसान तो गुरुवार से ही चक्कर काट रहे हैं। किसानों का आरोप है कि पूरा दिन बैठने के बाद भी उन्हें खाद नहीं मिल पा रही है। स्लॉट बुकिंग नहीं होने का हवाला देकर उन्हें लौटा दिया जाता है। जिनका स्लॉट बुक हो भी जाता है, उन्हें स्टॉक खत्म होने की बात कहकर अगले दिन आने को कहा जा रहा है। कटेधरा निवासी किसान कुंवर लाल पटले ने बताया कि सरकार ने खाद वितरण के लिए स्लॉट बुकिंग सिस्टम लागू किया है, लेकिन यह किसानों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। दो से तीन दिन सिर्फ स्लॉट बुक करने में ही निकल जाते हैं। गांव में नेटवर्क नहीं आता। मोबाइल से बुकिंग कर नहीं पाते। समिति में जाते हैं तो वहां सर्वर डाउन रहता है। कृष्ण कुमार पटले ने कहा कि स्लॉट बुकिंग में भारी दिक्कत है। सुबह से शाम तक कोशिश करते हैं, लेकिन ओटीपी ही नहीं आता। नेटवर्क की समस्या से जूझ रहे हैं। ऊपर से डीएपी मिल नहीं रही है और एनपीके के दाम 650 रुपये बढ़ा दिए गए हैं। ऐसे में खेती कैसे करेंगे। चौखंडी निवासी नीलकमल भगत ने बताया कि मैं गुरुवार से चक्कर काट रहा हूं। सर्वर की समस्या के कारण स्लॉट बुक नहीं हो रहा है। कर्मचारी कहते हैं कि बिना स्लॉट के खाद नहीं देंगे। हम चाहते हैं कि हमें पुराने दाम पर ही उर्वरक मिलना चाहिए।

चुनावी वादे याद दिला रहे किसान-

किसानों ने राज्य सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि चुनाव के दौरान भाजपा सरकार ने किसानों से उपज का सही दाम देने और खेती की लागत कम करने का वादा किया था। लेकिन हकीकत इसके उलट है। न तो किसानों को लागत के मुताबिक दाम मिल रहा है और न ही खाद-बीज सस्ते हुए हैं। किसानों ने कहा कि मौजूदा समय में धान का समर्थन मूल्य 2300 रुपये प्रति क्विंटल है, जबकि खेती की लागत लगातार बढ़ रही है। डीजल, मजदूरी, कीटनाशक और अब खाद के दाम बढ़ने से खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है। एक एकड़ धान की खेती में करीब 15 से 18 हजार रुपये की लागत आती है, जबकि उत्पादन 18 से 20 क्विंटल ही होता

है। ऐसे में बचत नाममात्र की रह जाती है। कृष्ण कुमार पटले ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उर्वरक के दाम बढ़ाकर सरकार किसानों को मारना चाहती है। चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे किए गए थे कि किसान की आय दोगुनी करेंगे। लेकिन यहां तो लागत दोगुनी हो रही है। डीएपी बाजार से गायब है और जो मिल रही है वह ब्लैक में 1700 रुपये तक बिक रही है। किसानों का कहना है कि सरकार एक तरफ प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की बात करती है, लेकिन जब तक रासायनिक खाद की वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होगी तब तक किसान मजबूरी में महंगी खाद खरीदेगा।

किसानों की प्रमुख मांगे-

किसानों की मांग है कि स्लॉट बुकिंग व्यवस्था सरल हो गांवों में नेटवर्क की समस्या को देखते हुए ऑफलाइन टोकन व्यवस्था भी शुरू की जाए। खरीफ सीजन के लिए एनपीके, एसएसपी और एमओपी के दाम पिछले साल वाले ही रखे जाएं। सभी समितियों में पर्याप्त मात्रा में डीएपी उपलब्ध कराई जाए। धान का समर्थन मूल्य 2300 से बढ़ाकर 3000 रुपये क्विंटल किया जाए।

बालाघाट में वार्षिक सारस पक्षी गणना सम्पन्न, संरक्षण के लिए जुटे वन विभाग और स्थानीय नागरिक

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिले में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली वार्षिक सारस पक्षी गणना इस वर्ष भी 19 जून को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के साथ-साथ महाराष्ट्र के गोंदिया एवं भंडारा जिलों में भी समन्वित रूप से सारस पक्षियों की गणना की जाती है, क्योंकि इन क्षेत्रों में सारस पक्षियों की उल्लेखनीय उपस्थिति पाई जाती है।

सारस पक्षी गणना एवं संरक्षण से संबंधित गतिविधियां वन विभाग, सेवा संस्था और बालाघाट टूरिज्म के संयुक्त तत्वावधान में संचालित की जाती हैं। इस अभियान में स्थानीय सारस मित्रों, स्वयंसेवी कार्यकर्ताओं और किसानों की सक्रिय भागीदारी रही, जिससे सारस संरक्षण और उनके प्राकृतिक आवासों के संवर्धन को प्रभावी समर्थन मिल रहा है।

गणना के प्रारंभिक आंकड़ों के बाद 20 से 25 जून तक चयनित क्षेत्रों में पुनः रैकी एवं सत्यापन सर्वेक्षण किया जाएगा। यह सर्वे उन स्थानों पर किया जाएगा जहां गणना के दौरान सारस पक्षी दिखाई नहीं दिए या जहां विभिन्न टीमों द्वारा दर्ज संख्या में ओवरलैपिंग की संभावना है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य सारस पक्षियों की वास्तविक एवं सटीक संख्या का वैज्ञानिक सत्यापन करना है।

यह गणना सेवा संस्था, बालाघाट वन वृत्त, दक्षिण एवं उत्तर बालाघाट वनमंडल, गोंदिया वन विभाग, स्थानीय सारस मित्रों, स्वयंसेवी कार्यकर्ताओं और किसानों के संयुक्त सहयोग से सम्पन्न हुई। बालाघाट जिले में यह

अभियान बालाघाट वन वृत्त के अंतर्गत दक्षिण एवं उत्तर बालाघाट वनमंडल के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित किया गया।

अभियान का संचालन मुख्य वन संरक्षक गौरव चौधरी, दक्षिण बालाघाट वनमंडल के वनमंडलाधिकारी नित्यानंद एल., सेवा संस्था के अध्यक्ष सावन बहेकार तथा श्री अविजीत परिहार के मार्गदर्शन में किया गया।

सारस पक्षी गणना के माध्यम से उनकी वास्तविक संख्या, प्राकृतिक आवास, प्रजनन स्थलों और संरक्षण संबंधी आवश्यक वैज्ञानिक जानकारी एकत्रित की जाती है। प्राप्त आंकड़ों के आधार पर सारस संरक्षण के लिए प्रभावी कार्ययोजनाएं तैयार करने में सहायता मिलती है।

इसी क्रम में 20 जून को महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में भी वार्षिक सारस पक्षी गणना आयोजित की जाएगी, जिसमें गोंदिया वन विभाग, सेवा संस्था, वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा स्थानीय सारस मित्र भाग लेंगे।

इस वार्षिक अभियान का मुख्य उद्देश्य सारस पक्षियों के संरक्षण के प्रति जनसहभागिता को बढ़ावा देना, उनके प्राकृतिक आवासों का संरक्षण करना तथा वैज्ञानिक आंकड़ों का संकलन करना है। इस पहल से न केवल सारस संरक्षण को मजबूती मिल रही है, बल्कि स्थानीय नागरिकों में वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता भी लगातार बढ़ रही है।

दान में प्राप्त आदिवासी भूमि का छलपूर्वक विक्रय निरस्त, पुलिस जांच के आदेश

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

कलेक्टर न्यायालय, बालाघाट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में ग्राम नेवरगांव, तहसील लालबर्रा स्थित भूदान भूमि के अवैध विक्रय को शून्य घोषित करते हुए संबंधित नामांतरण निरस्त कर दिया है। साथ ही भूमि को उसके मूल आदिवासी उत्तराधिकारियों के नाम पुनः दर्ज करने के निर्देश जारी किए गए हैं। न्यायालय ने मामले में कथित धोखाधड़ी की जांच कर दोषियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक को भी निर्देशित किया है।

प्रकरण में वारासिवनी निवासी श्री सिकन्दर मिश्रा द्वारा प्रस्तुत शिकायत में बताया गया था कि लगभग 50 वर्ष पूर्व भूदान आंदोलन के अंतर्गत एक अनुसूचित जनजाति परिवार को प्रदान की गई कृषि भूमि, खसरा नंबर 2/12, का मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 165 (7-ख) के तहत आवश्यक कलेक्टर अनुमति प्राप्त किए बिना विक्रय कर दिया गया।

सुनवाई के दौरान भूमि की उत्तराधिकारी श्रीमती जमुनाबाई उईके, श्रीमती आशा मडावी, श्रीमती उषा मडावी एवं श्रीमती जमुनाबाई पंधरे ने न्यायालय को बताया कि वारासिवनी निवासी जगमोहन सिंह उर्फ जग्गी निराला ने फौती नामांतरण कराने का आश्वासन देकर उन्हें विभिन्न कार्यालयों में ले जाकर उनकी जानकारी के बिना भूमि विक्रय संबंधी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करा लिए।

कलेक्टर न्यायालय ने पाया कि भूदान पट्टाधारी की भूमि का अंतरण धारा 165 (7-ख) के अंतर्गत कलेक्टर की पूर्व अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता। ऐसी अनुमति के अभाव में किया गया अंतरण प्रारंभ से ही शून्य माना जाता है। जांच में यह तथ्य सामने आया कि न तो अनुमति के लिए आवेदन किया गया था और न ही किसी प्रकार की स्वीकृति प्राप्त की गई थी।

न्यायालय ने विक्रय पत्र के आधार पर किए गए नामांतरण एवं अंतरण को निरस्त करते हुए तहसीलदार लालबर्रा को 30 दिनों के भीतर भूमि को चारों उत्तराधिकारियों के नाम पूर्ववत दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही शासन की ओर से संबंधित विक्रय पत्र निरस्तीकरण के लिए व्यवहार न्यायालय में वाद प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

मामले में उप पंजीयक वारासिवनी द्वारा आवश्यक अनुमति की पुष्टि किए बिना विक्रय पत्र का पंजीयन किए जाने को गंभीरता से लेते हुए जिला पंजीयक बालाघाट को विभागीय जांच प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं पुलिस अधीक्षक बालाघाट को कथित रूप से छलपूर्वक दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराने की शिकायत की जांच कर दोषियों के विरुद्ध विधि अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

राजा भोज पर टिप्पणी के मामले में पूर्व सांसद मुंजारे पर एफआईआर दर्ज

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट में पूर्व सांसद कंकर मुंजारे के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को आहत करने का मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई राजाभोज पर उनकी टिप्पणी के बाद पंवार समाज के विरोध प्रदर्शन के बाद हुई। विवाद गर्रा ओवरब्रिज के नामकरण से जुड़ा है, जिसका उद्घाटन 13 जून को हुआ था।

सीएसपी मयंक तिवारी ने बताया कि पंवार समाज के जिलाध्यक्ष विशाल बिसेन की शिकायत पर पूर्व सांसद मुंजारे के खिलाफ धारा 299 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। यह विवाद गर्रा ओवरब्रिज का नाम पंवार समाज के आराध्य राजाभोज के नाम पर रखे जाने के बाद शुरू हुआ।

इसके बाद सोशल मीडिया पर इसका विरोध होने लगा। इसी दौरान पूर्व सांसद कंकर मुंजारे ने ओवरब्रिज के निरीक्षण के दौरान राजाभोज के नामकरण पर टिप्पणी करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया था।

मुंजारे की टिप्पणी से पंवार समाज ने खुद को आहत महसूस किया। इसके विरोध में गुरुवार को पंवार समाज ने एक रैली निकाली और पूर्व सांसद के निवास के सामने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कंकर मुंजारे का पुतला भी फूंका और पुलिस अधीक्षक को शिकायत सौंपी।

हालांकि, पूर्व सांसद कंकर मुंजारे अपने बयान पर कायम हैं और उन्होंने माफी मांगने से इनकार कर दिया है। पुलिस ने शिकायत के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज किया।

इस मामले में अब अवंतीबाई लोधी सेना भी सामने आ गई है। सेना के जिलाध्यक्ष सहेजलाल उपवंशी ने पंवार समाज के प्रदर्शन को प्रायोजित बताया है। उन्होंने इसे लोधी समाज का अपमान करार देते हुए इस मुद्दे पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

जिले में दो समाजों के बीच मौखिक और सोशल मीडिया पर चल रही यह बहस अब संघर्ष की स्थिति पैदा कर रही है। इससे आने वाले समय में तनाव बढ़ने की आशंका है।

गोहाटी असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल कि हाईक कर लोटा बालाघाट जिले का स्काउटर एवं गाइडर दल

हरिभूमि न्यूज किरनापुर। भारत स्काउट स्काउट गाइड राज्य मुख्यालय भोपाल के वार्षिक कार्यक्रम के तहत अन्तर्राज्यीय स्काउटर एवं गाइडर हाइक का आयोजन गुवाहाटी असम में किया गया। इस हाइक में जबलपुर संभाग के 101 स्काउटर ,गाइडर एवं पदाधिकारी शामिल हुए इस हाइक कार्यक्रम के तहत बालाघाट जिले के जिला शिक्षा अधिकारी श्री अश्विनी उपाध्याय के आदेश अनुसार बालाघाट जिले से 26 स्काउटर एवं गाइडर शामिल हुए। इस हाइक में बालाघाट जिले के किरनापुर तहसील के दो स्काउटर एवं एक गाइडर ने भाग लिया। जिनके नाम हैं शासकीय हाईस्कूल नेवारा से सकाउटर देवलाल राहंगडाले, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय किरनापुर से स्काउटर मकबूल मोहम्मद कुरेशी एवं ओपन दल गाइडर खुर्शिदा बानों कुरेशी सम्मिलित हुए। इस हाईक के शिविर संचालक श्री ललित मिश्रा जी संभागीय सहायक संगठन आयुक्त जबलपुर थे उनके कुशल नेतृत्व एवं कुशल मार्ग निर्देशन में यह हाईक दिनांक 12 जून 2026 से 16 जून 2026 तक राज्य प्रशिक्षण केंद्र चामतापाथर सोनापुर चाय बागान नगरी गोहाटी असम में रखी गयी। असम गोहाटी में शिविर लगाकर ऐतिहासिक स्थल, रमणीय स्थल, धार्मिक स्थलों का भ्रमण किया गया। जिसमें असम गोहाटी में कामाख्या देवी मंदिर, ब्रम्हपुत्र नदी के टापू में क्रुज जल जहाज द्वारा टापू में पहुंच कर उमानद का मंदिर एवं ब्रम्हपुत्र नदी का दिदार किया गया इसी दौरान रबर बागान, सुपारी बागान,साइन्स सिटी, वाटर फाल एवं गोहाटी मार्केट का आनंद लिया गया। मेघालय शिलांग में एलीफेंट फाल,पाइन हिल, एयर फोर्स म्युजियम,बाटनीकल गार्डन,डेमोप वैली,नोकालिकाई फाल,डैन्टहलेन फाल, ज्यादा वर्षा वाला स्थान चैरापुन्जी पाइण्ट,अपर शिलांग टी फार्म एवं शिलांग मार्केट के दिदार किए।

कल जिले में 08 केन्द्रों पर होगी नीट परीक्षा, 3112 परीक्षार्थी होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। बालाघाट जिले में 21 जून 2026 को NEET (नीट) प्रवेश परीक्षा का आयोजन 08 परीक्षा केन्द्रों पर किया जाएगा। इस परीक्षा में कुल 3112 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा दोपहर 02 बजे से 05 बजे तक आयोजित की जाएगी, जबकि सभी परीक्षार्थियों को प्रातः 11 बजे तक अपने निर्धारित परीक्षा केंद्र पर उपस्थित होना अनिवार्य रहेगा। परीक्षा रविवार, 21 जून 2026 को दोपहर 2 बजे से 5:15 बजे तक होगी। परीक्षा की समयावधि 3 घंटे 15 मिनट (कुल 195 मिनट) की है। परीक्षा का मोड पेन एवं पेपर रहेगा। जिले में इस परीक्षा के सुव्यवस्थित संचालन एवं आवश्यक तैयारियों के लिए कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने 19 जून को केन्द्रीय विद्यालय भरवेली में सभी परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्षों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य मिश्रा, अपर कलेक्टर श्री जी एस धुर्वे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री निहित उपाध्याय, संयुक्त कलेक्टर एवं नीट परीक्षा के जिला नोडल अधिकारी श्री राहुल नायक, एसडीएम श्री गोपाल सोनी, नगर पुलिस अधीक्षक श्री मयंक तिवारी, केन्द्रीय विद्यालय भरवेली के प्राचार्य एवं एनटीए के नीट परीक्षा के लिए सिटी नोडल अधिकारी श्री अरूण तुमसरे, सभी 08 परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्ष एवं विद्युत मंडल के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने सभी परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्षों से कहा कि 21 जून को एनटीए के निर्देशों के अनुरूप नीट परीक्षा का सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करना है। यह परीक्षा अच्छे से सम्पन्न कराना है और इसमें किसी भी तरह की गड़बड़ी नहीं होना चाहिए। इसके लिए सभी केन्द्रों पर 19 जून तक सीसीटीव्ही कैमरे, फ्रिस्किंग, बायोमेट्रिक सत्यापन मशीन एवं जैमर लग जाना चाहिए। इसके साथ ही सभी केन्द्रों पर वीडियोग्राफी एवं जनरेटर की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाये। परीक्षा कक्ष में उचित प्रकाश व्यवस्था तथा पंखे चालू अवस्था में होने चाहिए।

पूर्व सांसद के समर्थकों ने किया थाने का घेराव, प्रदर्शनकारियों पर एफआईआर की मांग

समर्थकों ने कहा पुलिस संरक्षण में प्रदर्शनकारियों ने दिखाई दबंगई

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट में पूर्व सांसद कंकर मुंजारे पर मामला दर्ज होने के बाद शुक्रवार दोपहर उनके समर्थकों ने कोतवाली थाने का घेराव किया। समर्थकों ने पंवार समाज द्वारा पूर्व सांसद के घर के सामने किए गए प्रदर्शन को गैरकानूनी बताते हुए प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई की मांग की।

समर्थकों ने चेतावनी दी कि यदि पंवार समाज के प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की गई, तो वे दोबारा आंदोलन करेंगे और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन (181) में शिकायत दर्ज कराएंगे। पुलिस ने समर्थकों का आवेदन स्वीकार कर लिया है।

यह पूरा मामला 13 जून को गर्रा ओवरब्रिज के 'राजाभोज ब्रिज' नामकरण से जुड़ा है। इस नामकरण को लेकर पूर्व सांसद कंकर मुंजारे ने राजाभोज पर एक टिप्पणी की थी। पुलिस ने इस टिप्पणी को धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला मानते हुए मुंजारे के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया है।

मुंजारे की टिप्पणी के विरोध में गुरुवार को पंवार समाज ने प्रदर्शन किया था। समाज के सदस्यों ने रैली निकालकर पूर्व सांसद के निवास के सामने पुतला दहन किया। यह प्रदर्शन लगभग दो घंटे तक चला, जिसमें पूर्व सांसद के साथ टकराव का भी प्रयास किया गया।

पंवार समाज के पदाधिकारियों ने इस प्रदर्शन के बाद एसपी कार्यालय में एफआईआर के लिए आवेदन दिया था। पुलिस ने बुधवार रात को इस संबंध में पूर्व सांसद मुंजारे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अवंतीबाई लोधी सेना के जिलाध्यक्ष सहेजलाल उपवंशी ने आरोप लगाया कि पंवार समाज के प्रदर्शनकारियों ने पूर्व सांसद के निवास के सामने प्रदर्शन के दौरान वहां खड़ी गाड़ी को जलाने का प्रयास किया। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदर्शनकारी पूर्व सांसद को मारने पर उतारू हो गए थे और उनके साथ बाहर से आए हथियारबंद लोग भी शामिल थे। उपवंशी ने दोहराया कि यदि पुलिस प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं करती है, तो वे मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में शिकायत करेंगे और आंदोलन करेंगे।